



1

---

---

---

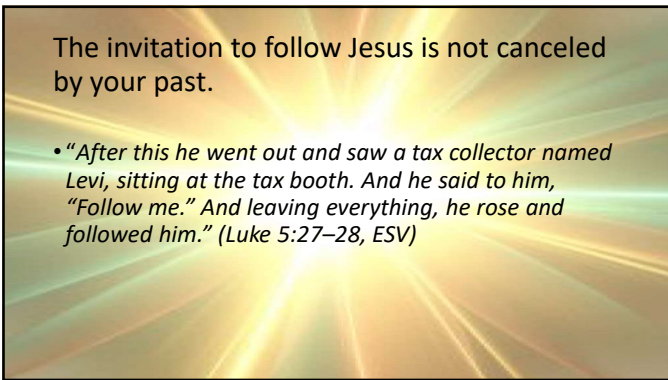
---

---

---

---

---



2

---

---

---

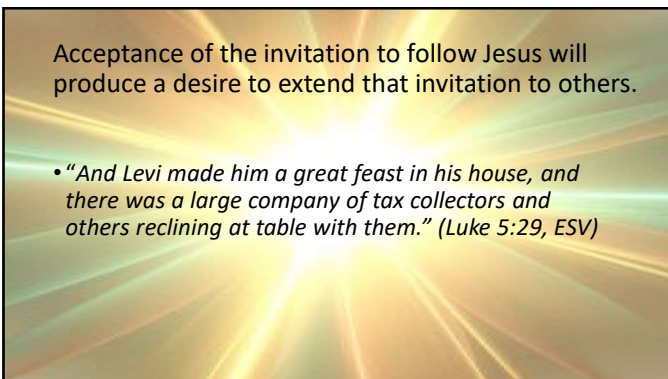
---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---

---

---

---

The open invitation of Jesus exposes smug self-righteousness.

- *“And the Pharisees and their scribes grumbled at his disciples, saying, “Why do you eat and drink with tax collectors and sinners?”” (Luke 5:30, ESV)*

4

---

---

---

---

---

---

---

The open invitation of Jesus is to come as you are and become who He intends for you to be.

- *“And Jesus answered them, “Those who are well have no need of a physician, but those who are sick. I have not come to call the righteous but sinners to repentance.”” (Luke 5:31–32, ESV)*

5

---

---

---

---

---

---

---